



0217CH15

15. एककी दोक्की

दो बहनें थीं। एक का नाम था एककेसवाली और दूसरी का नाम था दोनकेसवाली। दोनों बहनें अपने अम्मा और बाबा के साथ एक छोटे से घर में रहती थीं।

एककेसवाली का एक ही बाल था इसलिए सब उसे एककी बुलाते थे। दोनकेसवाली बड़ी घमंडी थी। उसके दो बाल थे इसलिए सब उसे दोक्की बुलाते थे।



अम्मा सोचती थी कि दोककी जैसी सुंदर लड़की तो दुनिया में है ही नहीं। और बाबा- उनको सोचने की फ़ुरसत ही कहाँ! काम में जो उलझे रहते थे।

दोककी हमेशा अपनी बहन पर रौब जमाती रहती। एक दिन एककी घने जंगल में गई। चलते-चलते वह घने जंगल के बीच आ पहुँची। चारों तरफ सन्नाटा था। अचानक उसने एक आवाज सुनी— पानी! मुझे प्यास लगी है! कोई पानी पिला दो!

एककी रुकी और उसने चारों तरफ घूमकर देखा। वहाँ तो कोई नहीं था। फिर उसने देखा, सूखी, मुरझाई हुई मेहँदी की एक झाड़ी, जिसके पत्ते सरसरा रहे थे।



पास में ही पानी की धारा बह रही थी। एककी ने चुल्लू में पानी भरकर एक बार, दो बार, कई बार झाड़ी के ऊपर डाला।

मेहँदी की झाड़ी बोली— धन्यवाद एककी! मैं तुम्हारी ये मदद याद रखूँगी।

एककी आगे बढ़ गई।

फिर अचानक सन्नाटे में उसे एक और आवाज़ सुनाई दी— मुझे भूख लगी है! कोई मुझे खाना खिला दो!

एककी ने देखा कि एक मरियल सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी।

एककी ने घास-फूस इकट्ठी की और गाय को खिला दी। उसके बाद उसने गाय के गले में बँधी रस्सी को खोल दिया।



धन्यवाद एककी! मैं तुम्हारी ये मदद हमेशा याद रखूँगी—
गाय ने कहा।

एककी अब चलते-चलते थक गई थी। उसे गर्मी भी लग रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि अब वह क्या करे? कहाँ जाए?

तभी उसे दूर एक झोंपड़ी दिखाई दी। एककी दौड़कर झोंपड़ी तक गई और आवाज़ लगाई— कोई है ?

एक बूढ़ी अम्मा ने दरवाज़ा खोला।

बूढ़ी अम्मा ने कहा— आहा! आ गई मेरी बच्ची? मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। आओ, अंदर आ जाओ।

एककी हैरान हो गई और चुपचाप झोंपड़ी में आ गई।
झोंपड़ी में आकर उसे बहुत अच्छा लगा।



बूढ़ी अम्मा ने कहा— आओ बेटी, तुम्हारे लिए नहाने का पानी तैयार है। पहले अच्छी तरह से तेल लगाओ और उसके बाद नहा लो। फिर हम खाना खाएँगे।

एककी ने शरमाते हुए कहा— नहीं! नहीं!

अम्मा ने पुचकार कर कहा— अरे नहीं क्या! जैसा मैं कहती हूँ वैसा करो।

एककी ने बूढ़ी अम्मा की बात मान ली।

फिर पता है क्या हुआ?

एककी ने जैसे ही अपने सिर से तौलिया हटाया तो उसने पाया कि उसके सिर पर एक नहीं परंतु बहुत सारे बाल थे।

एककी इतनी खुश हुई कि वह खाना खा ही नहीं सकी। बस, बार-बार वह बूढ़ी अम्मा का धन्यवाद ही करती रही।

बूढ़ी अम्मा ने मुस्कुराते हुए कहा— अब तुम घर जाओ बेटी और हमेशा खुश रहो।

एककी के तो जैसे पंख ही निकल आए। वह सरपट घर की तरफ दौड़ चली। रास्ते में उसे गाय ने मीठा-मीठा दूध दिया और झाड़ी ने हाथों पर रचाने के लिए मेहँदी दी।

घर पहुँचकर एककी ने सारी कहानी सुनाई।

दोककी कहानी सुनते ही सीधे जंगल की तरफ भागी।

दोककी इतना तेज़ भाग रही थी कि न उसने प्यासी झाड़ी और न ही भूखी गाय की पुकार सुनी।

वह तो धड़धड़ाती हुई झोंपड़ी में घुस गई और बूढ़ी अम्मा को हुक्म दिया— मेरे लिए नहाने का पानी तैयार करो।

हाँ, आओ, मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। पानी तैयार है, नहा लो— बूढ़ी अम्मा ने दोककी से कहा।

झटपट नहाने के बाद जैसे ही दोककी ने तौलिया सिर से हटाया, उसकी तो चीख निकल गई!

दोककी के दो ही तो बाल थे और वे भी झड़ गए थे।

रोते-रोते दोककी घर की तरफ़ चलने लगी। रास्ते में उसे गाय ने सींग मारा और मेहँदी की झाड़ी ने काँटे चुभो दिए।

मगर अब दोककी अपना सबक सीख चुकी थी। इसके बाद एककी, दोककी अपने अम्मा-बाबा के साथ खुशी-खुशी रहने लगीं।





कहानी से

- क्या बूढ़ी अम्मा पहले से जानती थीं कि एककी और दोककी उनके घर आने वाली हैं? तुम्हें कैसे पता चला?
- दोककी का मेहँदी की झाड़ी और गाय पर ध्यान क्यों नहीं गया?
- एककी ने झाड़ी और गाय की मदद कैसे की?



मेहँदी

- मेहँदी की झाड़ी ने एककी को लगाने को मेहँदी दी। मेहँदी की झाड़ी से लगाने के लिए मेहँदी कैसे तैयार की जाती है? पता करो और सही क्रम में लिखो।
पहले मेहँदी की झाड़ी से
-
-
-
-

- मेहँदी जब रचाई जाती है तब उसका रंग गाढ़ा होता है और धीरे-धीरे फीका पड़ता जाता है। किन-किन चीज़ों का रंग कुछ समय बाद फीका हो जाता है?

मेहँदी

.....

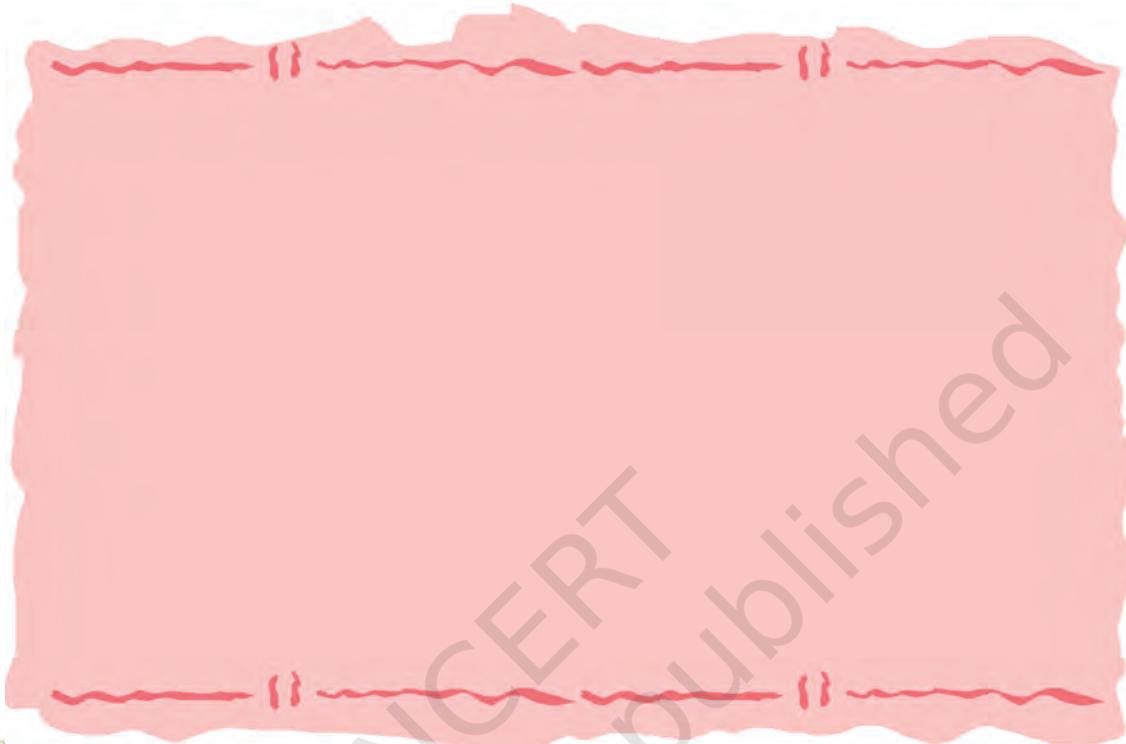
सूती कपड़े

.....





- नीचे दी गई जगह में अपनी हथेली को रखो। अब इसके चारों ओर पेंसिल फिराओ। लो बन गया तुम्हारा हाथ। मेहँदी से जो डिजाइन तुम अपनी हथेली पर बनाना चाहते हो वह बनाओ।



अपने मन से

कहानी में दोनों बहनों का नाम उनके बालों की संख्या पर पड़ा। सोच कर खाली जगह में नाम लिखो।

बालों की संख्या	पूरा नाम	छोटा नाम
1	एककेसवाली	एकी
2	दोकेसवाली	दोकी
100
0



तुम्हारे वाक्य

नीचे कुछ वाक्य लिखे हैं। हर वाक्य में एक मोटा शब्द छपा है। है, उनकी मदद से तुम अपने मन से सोचकर वाक्य बनाओ और कक्षा में बताओ।

- जंगल में चारों तरफ़ सन्नाटा था।
- बाबा को सोचने की फुर्सत ही कहाँ, काम में जो उलझे रहते थे।
- वह सरपट घर की तरफ़ दौड़ चली।
- मेहँदी की झाड़ी मुरझा गई थी।



नाम-काम

एककी ने देखा कि एक मरियल-सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी।

एककी, गाय और पेड़ नाम वाले शब्द हैं।

देखा और बँधी काम वाले शब्द हैं।

कहानी में से ऐसे पाँच-पाँच शब्द और छाँटकर लिखो।

नाम वाले शब्द

.....
.....
.....
.....
.....
.....

काम वाले शब्द

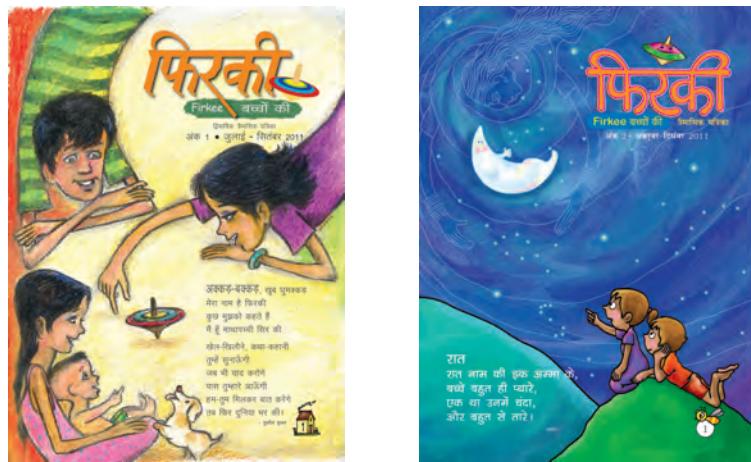
.....
.....
.....
.....
.....
.....



रचनाकार-जिनकी कविता और कहानियाँ हमने पढ़ीं

1.	ऊँट चला	प्रयाग शुक्ल
2.	भालू ने खेली फुटबॉल	हरदर्शन सहगल
3.	म्याऊँ, म्याऊँ!!	धर्मपाल शास्त्री
	 बिल्ली कैसे रहने आई आदमी के संग	विजय एस.सिंह
4.	अधिक बलवान् कौन?	योगेश जोशी
5.	दोस्त की मदद	ए.के. रामानुजन
6.	बहुत हुआ	हरीश निगम
	 काले मेघा पानी दे	कौशल पाण्डेय
	 सावन का गीत	नवीन सागर
7.	मेरी बाली किताब	होल्लार पुक
8.	तितली और कली	शोभा देवी मिश्र
9.	बुलबुल	गणेश दत्त शर्मा
10.	मीठी सारंगी	निरंकार देव सेवक
11.	टेसू राजा बीच बाज़ार	
12.	बस के नीचे बाघ	
	 तेंदुए की खबर	
	 बाघ का बच्चा	प्रयाग शुक्ल
13.	सूरज जल्दी आना जी	रमेश तैलंग
14.	नटखट चूहा	संध्या राव
15.	एककी-दोककी	रामकृष्ण शर्मा खद्दर
16.	छुट्टी हुई खेल की	





अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ncert.nic.in देखिए अथवा व्यापार प्रबंधक, प्रकाशन प्रभाग, एनसीईआरटी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 से संपर्क कीजिए।